बिहार में बाढ़ में फँसे श्रमिक

चर्चा में क्यों

सूत्रों के अनुसार, अधिक वर्षा **के कारण बिहार के बगहा में करीब 150 श्रमिक** बाढ़ **में फँस गए हैं।**

मुख्य बिंदु

- राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (State Disaster Response Force- SDRF) ने **फँसे** हुए 150 श्रमिकों में से लगभग 40 को बचा लिया है, जिनमें बुज़ुर्ग, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।
- जल संसाधन विभाग के अनुसार कोसी, महानंदा, बागमती, गंडक, **कमला बलान और कमला** समेत प्रमुख नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर हैं।

कोसी नदी

//

- **कोसी** एक **अंतर-सीमा** नदी है जो **तिब्बत, नेपाल और भारत** से होकर प्रवाहित होती है।
- इसका **उद्गम तिब्बत** में है जिसमें **विश्व की सबसे ऊँची पहाड़ी** शामिल है, तत्पश्चात् यह **गंगा के मैदानों में प्रकट होने से पूर्व नेपाल के एक व्यापक हिस्से से अपवाहित होती है।**
- इसकी **तीन प्रमुख सहायक नदियाँ, सुन कोसी, अरुण और तमूर,** हिमालय की तलहटी में निर्मित 10 किमी. लंबी घाटी के ऊपर एक बिंदु पर मिलती

हैं।
- यह नदी **उत्तरी बिहार** में प्रवेश करती है, जहाँ यह **कटिहार ज़िले के कुरसेला के पास गंगा में मिलने** से पहले विभिन्न शाखाओं में बँट जाती है।
- **भारत में [ब्रह्मपुत्र](#) के बाद कोसी नदी सबसे अधिक मात्रा में गाद और रेत** अपवाहित करती है।
- इसे "**बिहार का शोक**" भी कहा जाता है क्योंकि वार्षिक बाढ़ लगभग 21,000 वर्ग किलोमीटर उपजाऊ कृषि भूमि को प्रभावित करती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है।

महानंदा नदी

- महानंदा नदी [गंगा](#) **की एक सहायक नदी** है।
- इसका **उद्गम पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हिमालय से होता है।**
- यह **नदी बिहार, पश्चिम बंगाल से होकर प्रवाहित होती** है और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर आगे बढ़कर बांग्लादेश में गोदागरी में गंगा में मिल जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/workers-trapped-in-floodwaters-in-bihar